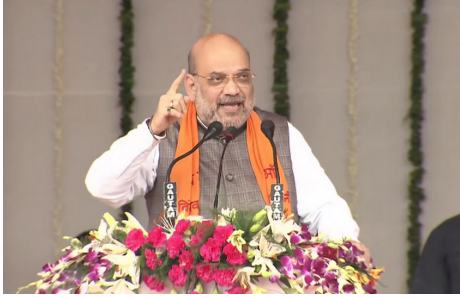


# CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

**दूध और डेयरी क्षेत्र से आगे निकल सकता है अमूल मॉडल : अमित शाह**



- 1946 में आणंद, गुजरात में एक सहकारी आंदोलन के रूप में शुरू हुए अमूल के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में, श्री शाह ने कहा कि कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहकारी क्षेत्र भी महत्वपूर्ण साबित होगा।
- केंद्रीय मंत्री ने अमूल डेयरी परिसर में आयोजित समारोह में कहा, "हमें कृषि और पशुपालन जैसे क्षेत्रों के उत्थान के लिए इस सहकारी मॉडल को लागू करने की जरूरत है। सहकारी मॉडल कृषि को 'आत्मनिर्भर' बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।"
- "आज कई किसान जैविक खेती की ओर रुख कर चुके हैं, लेकिन उनके पास भारत और दुनिया में उपज बेचने के लिए कोई मंच नहीं है। क्या अमूल जैसे सहकारी संगठन इसमें उनकी मदद कर सकते हैं? उन तर्ज पर सोचने का समय आ गया है," उन्होंने कहा।

**एनडीडीबी आनंद ने 5 साल के लिए वाराणसी डेयरी यूनियन का प्रबंधन करने के लिए यूपी सरकार के साथ समझौता किया**



- राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ वाराणसी दुग्ध संघ के प्रबंधन के लिए पांच साल के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह डेयरी किसानों को आवश्यक आर्थिक लचीलापन प्रदान करते हुए उत्तरी राज्य में डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देगा।
- यह समझौता ज्ञापन उत्तर प्रदेश के दूध उत्पादकों को समग्र परिचालन की स्थिरता और व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए आवश्यक बाजार पहुंच प्रदान करेगा।
- वाराणसी मिल्क यूनियन के डेयरी प्लांट को चलाने के लिए बायोगैस का उपयोग एक पथप्रदर्शक नवाचार होगा। यह अनूठी प्रौद्योगिकी संचालित पहल अंततः ग्रामीण समृद्धि लाएगी।
- एनडीडीबी के अध्यक्ष मीनेश शाह ने वाराणसी मिल्क यूनियन को अपने सदस्यों को बेहतर सेवा देने के लिए आवश्यक समर्थन का आश्वासन दिया।

**गोजातीय श्वसन रोग (बीआरडी) के लिए वैज्ञानिकों ने संभावित हस्तक्षेप की खोज की**



- खराब स्वास्थ्य, वायरस और पर्यावरणीय तनाव युवा बछड़ों को द्वितीयक जीवाणु संक्रमण के लिए अतिसंवेदनशील बना सकते हैं जो गोजातीय श्वसन रोग (बीआरडी) का कारण बनते हैं। इन गंभीर संक्रमणों के परिणामस्वरूप आमतौर पर निमोनिया हो जाता है, और उपचार महंगा हो सकता है।
- बीआरडी पैदा करने वाले बैक्टीरिया की बाहरी झिल्ली में अद्वितीय प्रोटीन, या एंटीजन को लक्षित करने में बहुत उच्च परिशुद्धता का उपयोग करने के उद्देश्य से अनुसंधान का एक हिस्सा। ये एंटीजन एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को प्रेरित करते हैं और जानवर की रक्षा कर सकते हैं।
- इस अध्ययन की अंतर्दृष्टि बाहरी झिल्ली प्रोटीन की एंटीबॉडी पहचान के उपयोग के लिए दरवाजे खोल देगी ताकि बीआरडी का कारण बनने वाले बैक्टीरिया के खिलाफ निवारक रणनीति विकसित की जा सके।

**CEDSI डेयरी, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में विषय विशेषज्ञों के पैनल के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। पृष्ठ 3-5 पर विस्तृत विज्ञापन पढ़ें।**

## एशियाई विकास बैंक महाराष्ट्र में कृषि व्यवसाय विकास के लिए \$100 मिलियन का ऋण प्रदान करेगा

- केंद्रीय गृह मामलों और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अमूल के 75वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में अमूल द्वारा आयोजित समारोह के दौरान शनिवार को गुजरात के आणंद में "डेयरी सहकार" योजना की शुरुआत की।
- एनसीडीसी भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के तहत 5000 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ डेयरी सहकार को "सहयोग से समृद्धि तक" के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लागू करेगा।
- डेयरी सहकार के तहत, एनसीडीसी द्वारा गोजातीय विकास, दूध खरीद, प्रसंस्करण, गुणवत्ता आश्वासन, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, विपणन, दूध और दूध उत्पादों के परिवहन और भंडारण, डेयरी के निर्यात जैसी गतिविधियों के लिए पात्र सहकारी समितियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। "किसान की आय को दोगुना करना" और 'आत्मनिर्भर भारत' के समग्र उद्देश्यों के भीतर उत्पाद।
- मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत पशुपालन और डेयरी विभाग भी पशुपालन और डेयरी क्षेत्र को विकसित करने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू कर रहा है। यह डेयरी सहकार देश में डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने के मौजूदा प्रयासों का पूरक होगा।



## पशुपालन विभाग ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत छठा अंतरराष्ट्रीय 'एक स्वास्थ्य दिवस' मनाया



पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार ने आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में 'उद्योग और एक स्वास्थ्य' विषय पर एक हितधारक मंच का आयोजन करके 3 नवंबर, 2021 को अंतरराष्ट्रीय एक स्वास्थ्य दिवस मनाया।

फोरम नीति निर्माताओं, उद्योग, सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों, नागरिक समाज के सदस्यों और सभी संबंधित हितधारकों को एक साथ लाएगा और एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण को लागू करने की दिशा में उद्योग की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करेगा।

यदि हम एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण की उपेक्षा करते हैं और भविष्य की महामारियों से लड़ने और एक स्थायी भविष्य के लिए एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण को बनाए रखने के लिए एक सहयोगी और बहु-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करते हैं, तो यह स्वास्थ्य पर प्रभाव के बारे में चर्चा करेगा। वन हेल्थ के कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से उद्योग की क्षमता के बारे में विचार-विमर्श अतुल चतुर्वेदी, सचिव, पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार और डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव (डी.ए.आर.ई.) और द्वारा उद्घाटन टिप्पणी के साथ किया जाएगा। डीजी, आईसीएआर। मंच पर पैनलिस्टों में उद्योग, भारतीय उद्योग परिसंघ, विश्व बैंक, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं।

# CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

AN INITIATIVE OF AGRICULTURE SKILL COUNCIL OF INDIA



## Advertisement for Empanelment of Subject Matter Experts (SMEs)

The Centre of Excellence for Dairy Skills in India (CEDSI) is an initiative taken by Agriculture Skill Council of India which aims to ensure sustainability and profitability in the dairy sector through skilling and capacity building, policy advocacy, knowledge management and research. Towards This CEDSI works with stakeholders across the dairy ecosystem including dairy farmers, wage workers, dairy cooperatives and corporates, research, academia, and central and state governments. It strives to be positioned as an innovator and leader in the dairy skilling space across the globe, who undertakes and facilitates applied manpower research in the dairy sector, capacity development in the areas of skilling and provides policy inputs at the national and state level to strengthen skill upgradation.

CEDSI invites applications for the empanelment of (SMEs) on various domains in Dairy, Agriculture and Allied Sectors.

### Details mentioned below -

**Honorarium:** As per CEDSI norms, on availing of the services

**Last Date to apply:** November 30th, 2021

**Application Fee:** Free

**Master Training Program:** The selected candidates may have to undergo a Master Trainer Program

**Master Trainer Program Fee:** INR 1000 (Virtual Training)

**Eligible candidates can apply online through the link - [https://bit.ly/cedsi\\_sme](https://bit.ly/cedsi_sme)**

## List of domain sectors -

S. No.	Subject	Sector
1	Livestock Production and Management	<b>Animal Husbandry</b>
2	Animal Nutrition	
3	Animal Breeding & Reproduction	
4	Fodder Production and Preservation	
5	Milk Productivity Enhancement	
6	Animal Health, Disease Prevention	
7	Milk Quality Assurance	<b>Dairy Development</b>
8	Clean Milk Production	
9	Milk Procurement/Transportation/Chilling	
10	Sales & Marketing of Milk and Milk Products	
11	Organization and Management of Producer Institution	<b>Poultry</b>
12	Poultry Production	
13	Poultry Marketing and Processing	<b>Sustainable Dairying</b>
14	Livestock GHG Emission and Mitigation	
15	Water Management in Dairy Sector	
16	Waste Management	<b>Farm Management &amp; Extension</b>
17	Farm Management/Farm Economics and Accounting	
18	Meat Processing, Preservation Storage and Marketing	<b>Meat Processing</b>
19	Value Addition in Meat & Egg Processing	

## Candidate must have the following requisites -

- Complete knowledge of Vocational Education, Skill Development ecosystem and its stakeholders.
- Overall sectoral and industry knowledgeability to analyze/collate demand, prepare a sustainable plan/models of skill programs/courses/work-study model and skilling framework and field implementation of the planned activity
- Candidates must not be blacklisted by MSDE/NSDA/NSDC/SSC/UGC or any other institution where he has worked in the past
- For further queries (if any) please write us at [info@cedsi.in](mailto:info@cedsi.in)

## **General Instructions for Applicants (applying for Subject Matter Expert) -**

- The Candidate must be a citizen of India.
- Candidates will update their qualifications, experience and other credentials on the CEDSI website/application as and when there is any change.
- All qualifications and experiences will be considered as a cutoff date and, applications will be sent for scrutiny.
- The candidates are advised to satisfy themselves about their eligibility before applying for an SME for a job role in a particular sector. A valid (SMEs) Certificate/Experience Certificate is a must along with other conditions laid down for qualification and experiences in Industry/Sector.
- The prescribed essential qualifications and experience are minimum and mere possession of the same does not entitle a candidate to be enrolled.
- CEDSI may conduct an interview or assessment test if required. No TA/DA shall be paid to the candidates for attending the interview/ assessment test.
- Applications not accompanied with necessary/required documents, self-attested copies of degrees/certificates/experience certificates issued by the competent authority shall be rejected.
- Candidates must regularly visit CEDSI website ([www.CEDSI.in](http://www.CEDSI.in)) for all the details and updates related to further processes.
- In case of any inadvertent mistake in the process of recruitment/selection, if detected at any stage even after the issue of empanelment order, CEDSI reserves the right to modify/withdraw/cancel any communication sent to the candidates.
- The initial period of empanelment will be for 2 years and can be extended further on the basis of performance and criteria for enrollment.
- CEDSI will engage the expert for training/consultancy/involvement in project implementation and compensation will be given accordingly. Mere empanelment will not be subject to any compensation

